भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3355
दिनांक 12 मार्च, 2026

तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) वाहनों का संवर्धन

†3355. सुश्री कंगना रनौतः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वित्तीय वर्षों के दौरान सरकार द्वारा अवसंरचना और वाहनों को अपनाने की सहायता सहित, मोटर ईंधन के रूप में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योजनाओं, प्रोत्साहनों और पहलों पर किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ख) परिवहन क्षेत्र में, विशेषकर लंबी दूरी और भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए एलएनजी के उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही योजनाएं और नीतिगत पहल क्या हैं;

(ग) उक्त पहलों के अंतर्गत अब तक कितनी प्रगति हुई है और स्थापित एलएनजी ईंधन स्टेशनों की संख्या, तैनात किए गए एलएनजी वाहन और ईंधन विविधीकरण और उत्सर्जन में कमी पर क्या प्रभाव पड़ा है; और

(घ) प्रस्तावित लक्ष्य, नीतिगत समर्थन और व्यापक स्वच्छ गतिशीलता कार्यनीति के साथ एकीकरण सहित देश में एलएनजी वाहनों को अधिक बढ़ावा देने के लिए सरकार की रूपरेखा और भावी योजनाएं क्या हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ): सरकार ने तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) को वाहन ईंधन के रूप में बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष योजना क्रियान्वित नहीं की है। तथापि, सरकार परिवहन क्षेत्र में संपीडित जैव गैस (सीबीजी), संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी), एलएनजी आदि जैसे स्वच्छ वाहन ईंधनों के उपयोग को बढ़ावा देती है। इसके लिए सरकार ने वहनीय परिवहन के लिए संधारणीय विकल्प (सतत), सीबीजी को बढ़ावा देना, प्राकृतिक गैस पाइपलाइन अवसंरचना का विस्तार करना, सीएनजी स्टेशनों सहित नगर गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क का विकास करना, सीएनजी (परिवहन) के लिए घरेलू गैस का प्राथमिकता के आधार पर आवंटन करना और एलएनजी टर्मिनल और एलएनजी ईंधन स्टेशन स्थापित करने जैसी व्यापक नीतिगत पहल की है।

एलएनजी ईंधन स्टेशनों की स्थापना करने और एलएनजी-आधारित वाहनों की तैनाती करने सहित एलएनजी अवसंरचना का विकास मुख्य रूप से तेल और गैस विपणन कंपनियों (ओजीएमसी) और निजी कम्पनियों द्वारा तकनीकी-व्यावसायिक विचारों के आधार पर किया जाता है। बढ़ती ऑटो-एलएनजी माँग को पूरा करने के लिए, ओजीएमसी और निजी कम्पनियों ने स्वर्णिम चतुर्भुज और अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे 30 से अधिक एलएनजी ईंधन स्टेशन स्थापित किए हैं।

ओजीएमसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, टाटा मोटर्स, अशोक लेलैंड, वोल्वो और ब्लू-एनर्जी मोटर्स जैसी कंपनियों द्वारा निर्मित वाहनों सहित 1300 से अधिक एलएनजी-ईंधन वाले ट्रक वर्तमान में भारतीय सड़कों पर चल रहे हैं।

एलएनजी, अपनी उच्च ऊर्जा घनत्व और लंबी ड्राइविंग रेंज के कारण, लंबी दूरी के भारी वाहनों के लिए उपयुक्त माना जाता है और पारंपरिक ईंधनों की तुलना में इसके उपयोग से वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में कमी आ सकती है।

सरकार ने एलएनजी को खुली सामान्य अनुज्ञप्ति (ओजीएल) श्रेणी में रखा है। इससे खरीदारों को आपूर्तिकर्ताओं के साथ आपसी सहमति से नियत वाणिज्यिक शर्तों पर अपनी आवश्यकतानुसार एलएनजी आयात करने की सुविधा मिलती है। परिवहन ईंधन के रूप में एलएनजी के विस्तार को उद्योग की मांग और तकनीकी-व्यावसायिक व्यवहार्यता से बल मिलने की सम्भावना है।

*****